प्रेषक. (शहरूक प्रमुख अमेर नि (को कि 2000 प्रिक्टक 10 कोडजी महामून) (cont yard) रह काडजी (क इन्द्र कुमार पाण्डे. ा जिल्हे प्रमुख सचिव, वित्त, जिल्हे हात्राम् के कि के क्षेत्राम क्ष्मील स्था के स्थित हुए व चत्तरांचल शासन। । किया प्राप्त के प्रत्र कियोजनीत के एक विकास स्थानिक के सामित्रक स्थानिक के सामित्रक स्थानिक

सेवा में.

- 1—समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तरांचल।
- 2-वित्त अधिकारी/कुल-सचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उत्तरांचल। कि कि कि
 - 3-सगरत अध्यक्ष, जिला पंचायतें, उत्तरांचल।

वित्त अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 24 अक्टूबर, 2003

विषय : राज्य कर्मचारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकार्यों के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का भुगतान दिनांक 01 जुलाई, 2003 से लागू दर।

पठित निम्नलिखित :-

- 1-शासनादेश संख्या 923/वि०अनु०-3/2003, विनांक 16 जून, 2003
- 2-शासनादेश संख्या 1053/विकानु0-3/2003, दिनांक 18 अक्टूबर, 2003
- 3-भारत सरकार वित्त गंत्रालय, व्यथ विमाग, कार्यालय ज्ञाप 1(8) 2003 संस्था-II (ख) 654. दिनांक 05 सितम्बर, 2003

महोदय.

SECOND ALGORITHM WITH A WORLDON'S उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि क्र0सं0-1 एवं 2 में उल्लिखित शासनावेश दिनाक 16 जून, 2003 एवं 18 अक्टूबर, 2003 के क्रम में राज्यपाल महोदय ने प्रदेश के समस्त पूर्णकालिक नियमित राज्य कर्मचारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों व यू० जी० सी० वेतनमानों में कार्यस्त पदधारकों को दिनाक 01 जुलाई. 2003 से निम्नानुसार संशोधित दर महमाई मते के मुगतान की सहबं स्वीकृति प्रदान कर दी है :-

AA D D I I I	
तिथि, जिस दिन से देय है	प्रतिगाह मंहगाई मरो की दर
01 जुलाई, 2003	
	वैतन का 59 प्रतिशत

2—इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत गहगाई भत्ते के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-वे0आ0—1—1599/ दस-42(एम) / 97, दिनांक 23 नवम्बर, 1998 के प्रस्तर-3, 4, 5 एवं 7 में उल्लिखित प्राविधान यथावत् लागू

3-ऐसे अधिकारी / कर्मचारी जिनके वेतनमानों का दिनांक 01 जनवरी, 1996 से पुनरीक्षित नहीं हुआ है, के मामलों में दिनांक 01 जुलाई, 2003 से मंहगाई मत्ते के भुगतान हेतु उपर्युक्त विषयांकित क्रवसंo-(1) एवं (2) पर उल्लिखित शासनादेश दिनांक 16 जून, 2003 के प्रस्तर-3 एवं दिनांक 18 अक्टूबर, 2003 के क्रम में, मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ऐसे मामले में दिनाक 01 जुलाई, 2003 से प्रभावी महगाई मला वेतन के 51 प्रतिशत के आधार पर शासनादेश दिनांक 02 जून, 1998 के प्रस्तर-5 में दी गयी प्रक्रिया के आधार पर आगणित किया जायेगा।

4-इन आदेशों द्वारा स्वीकृत/संशोधित दरों पर मंहगाई मत्ते की दिनांक 01 जुलाई. 2003 से 30 नवम्बर, 2003 तक की देय अवशेष धनशशि सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के मविष्य निधि खाते में जगा की जायेगी, और इस प्रकार जमा धनराशि को भविष्य निधि खाते में दिनांक 01 दिसम्बर, 2003 से जमा माना जायेगा, और इस तिथि से उक्त घनराशि पर ब्याज मविष्य निधि पर लागू दर से देय होगा। इस प्रकार भविष्य निधि खाते में जमा की गयी अवशेष धनराशि दिनांक 30 नवम्बर, 2004 तक सम्बन्धित अधिकारी/कर्मधारी कें खाते में जमा रहेगी, और इसे उक्त तिथि से पूर्व नहीं निकाला जा सकेंगा। यदि कोई अधिकारी/ कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है तो उसे उक्त अवशेष धनराशि नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एन०एस०सी०) के रूप में दी जायेगी, परन्तु घनराशि के जिस अंश का सर्टिफिकेट उपलब्ध न हो, वह नगद दी जायेगी, महगाई भत्ते की सामान्य भविष्य निधि लेखा में जमा की जाने वाली अवशेष से सम्बन्धित बिल / शेंड्यूल / वालान पर शासनादेश संख्या-सा-4-12-97-500(1) 97, दिनांक 07 अक्टूबर, 1997 में निहित आदेशानुसार निर्धारित मोहर लगायी जानी चाहिये।

5-इन आदेशों के द्वारा स्वीकृत मंहगाई भत्ते की बढ़ी हुई घनराशि का भुगतान अधिकारियों / कर्मचारियों को दिनांक 01 दिसम्बर, 2003 (भुगतान दिनांक 01 जनवरी, 2004 को देय) से नगद दिया जायेगा।

'6-इन आदेशों के द्वारा स्वीकृत महगाई भत्ते के भुगतान की प्रक्रिया जो चपरोक्त प्रस्तरों में चिल्लिखित है, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों पर भी लागू होगी।

7—जिन अधिकारियों / कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी किये जाने की तिथि से पूर्व समाप्त हो रही हों, उनको देय मंहगाई मत्ते के बकाया की सम्पूर्ण धनराशि का भुगतान नगद किया जायेगा।

कारी है कि है कि उसके अपने कि कि कि मिल्लिक के मिल्लिक के मिल्लिक के मिल्लिक कि मिल्लिक कि मिल्लिक कि मिल्लिक कि

मिनाक क्षित्र के कार्य ने कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के किया कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के त्रिक कार्य के कार्य

संख्या-1085 (1)/विठअनु0-3/2003, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ग्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3— वरिष्ठ अनुसंघान अधिकारी (वेतन अनुसंघान एकक), भारत रारकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), कमरा नं0 261, नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली—110001।
- 4- सचिव, राज्यपाल महोदय, देंहरादून।
- 5— सचिव, विधान सभा, उत्तराचल, देहरादून।
- 6- महानिबन्धक, उच्च न्यायालय, नैनीताल।
- 7- रीजनल प्राविडेन्ट फण्ड कमिश्नर, कानपुर/देहरादून।
- 8— संयुक्त निर्देशक, कोषागार, शिविर कार्यालय, नदीन कोषागार भवन (प्रथम तल) कचहरी रोड, इलाहाबाद तथा अन्य विभागीय वेतन पर्ची प्रकोष्ठ (इरला चैक) ।
- 9— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 10-स्थानिक आयुक्त, उत्तरांचल, नई दिल्ली।
- 11—पुनर्गंठन आयुक्त, उत्तराचल, विकास भवन, सचिवालय परिसर, लखनऊ।
- 12—वित्त अधिकारी, उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून।
- 13-गार्ड फाइल।

का सामा के कार प्रभावती के कारती में केला मेही कार्या के कार्या है है जिस्से का विकास अपना स्थापन के

तिसम्बद्धिः (शिक्षवीक भागामा का क्ष्मद्धः अन्तरम् सः समाठी आसम्ब मृत्युक्षः क्षेत्र टी० एन० सिंहः, भारी एक्षेत्रकोत्रः द्वांत्र शोजनीतिका सः अन्तर्भी तिहः देश के भीती करेग कर शोज तै अपर सचिव। यस के इ.क.टीजीक स्टोति स्टिंग्स स्टीकान्य स्टीकान्य स्टालक क्ष्मतिक तिहास स्टालक तिहासिकान्य स्टिन्स

as in a matter amount of the man of a filter part them in a man as followed by